**प्रशासन मौन** खनिज विभाग एवं स्थानीय पुलिस की जानकारी में होने के बावजूद बिना किसी कार्रवाई के बेरोकटोक जारी है अवैध उत्खनन

# भाड़िया रेत खदान में टोकन के सहारे चल रहा अवैध उत्खनन, राजस्व की हानि

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** मंडला जिले के थाना बम्हनी बंजर अंतर्गत ग्राम भाड़िया स्थित रेत खदान इन दिनों अवैध उत्खनन और रेत परिवहन का अड्डा बन चुका है। रॉयल्टी की वैधानिक प्रक्रिया को दरकिनार कर यहां टोकन व्यवस्था के जरिए रेत निकासी की जा रही है। स्थानीय ग्रामीण सूत्रों के अनुसार भाड़िया खदान से प्रतिदिन सैकड़ों डंपर और ट्रैक्टर रेत लेकर जिले के भीतर और बाहर भेजे जा रहे हैं। यह समूचा कृत्य खनिज विभाग एवं स्थानीय पुलिस की जानकारी में होने के बावजूद बिना किसी कार्रवाई के बेरोकटोक जारी है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जहां आम ग्रामीण यदि कभी-कभार अपने घरेलू उपयोग के लिए थोड़ी-बहुत रेत ले जाएं तो तत्काल कार्रवाई की जाती है, वहीं दूसरी ओर भाड़िया खदान से भारी मात्रा में हो रही अवैध सप्लाई पर प्रशासन पूरी तरह मौन है। स्थानीय चर्चाओं में सत्ताधारी दल के कुछ प्रभावशाली नेताओं का हाथ है। गौरतलब है कि यह अवैध कारोबार लगातार विभिन्न समाचार पत्र के माध्यमों में प्रकाशित हो चुका है, बावजूद इसके अब तक जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यह स्थिति अब प्रशासनिक उदासीनता नहीं, बल्कि संभावित गठजोड़ की ओर संकेत कर रही है । सवाल यह उठता है कि जब पूरा क्षेत्र भाड़िया रेत खदान की गतिविधियों से परिचित है, तो जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी क्यों साधे हुए हैं ? इस पूरे मामले की जिला कलेक्टर और खनिज अधिकारियों द्वारा तत्काल जांच कर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि शासन-प्रशासन न्याय की ओर खड़ा है या सत्ता संरक्षित दोहन की ओर झुका हुआ।

### अवैध रेत उत्खनन से बंजर नदी पर मंडरा रहा है खतरा

बम्हनी बंजर क्षेत्र की बंजर नदी से हो रहा अवैध रेत उत्खनन न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि प्रकृति के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार रेत में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीव-जंतु जल को स्वच्छ रखने में मदद करते हैं, लेकिन लगातार हो रहे उत्खनन से उनका अस्तित्व खतरे में है। जंगलों के बीच से बहने वाली यह नदी अब धीरे-धीरे सिकुड़ रही है और इसका जल स्तर भी गिरता जा रहा है। यदि यह स्थिति यूं ही बनी रही तो आने वाले समय में पानी की कमी और पारिस्थितिक की संकट गहरा सकता है।

### अवैध रेत पर कार्रवाई नहीं, सिर्फ दिखावा

भाड़िया रेत खदान से जुड़े मामले में जनमानस में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कोई आम व्यक्ति घरेलू उपयोग के लिए थोड़ा-बहुत रेत ले जाए तो उस पर कार्रवाई हो जाती है, लेकिन सैकड़ों डंपर टोकन के सहारे खुलेआम घूमते हैं। टोकनधारी वाहन चालक दिन-रात बेधड़क खनिज विभाग, पुलिस और थानों के सामने से गुजरते हैं, न चेकिंग, न डर। सवाल उठता है, क्या प्रशासन की चुप्पी किसी साठगांठ की ओर इशारा कर रही है?

### रेत के नाम पर राजस्व की लूट

भाड़िया रेत खदान में रॉयल्टी की जगह टोकन बांटकर प्रतिदिन लाखों की रेत निकासी की जा रही है, जिससे शासन को भारी राजस्व हानि हो रही है। हैरानी की बात ये है कि प्रशासन ने हाल ही में निगरानी के लिए एक गैर न्यायिक कार्य के लिए तहसीलदार की नियुक्ति की थी, फिर भी चोरी पर लगाम नहीं लग पा रही। टोकनधारी वाहन बेधड़क निकलते हैं और जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। सवाल उठता है ङ्क जब सब कुछ सामने है, तो कार्रवाई होने से कौन रोक रहा है?

## एकलव्य विद्यालय के छात्रों का नेत्र परीक्षण, 7 बच्चों को मिलेंगे मुफ्त चश्मे

सीएचसी नारायणगंज में नेत्र जांच शिविर आयोजित

**नारायणगंज 07 अगस्त नभाप्र.** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रतनपुर चौकी के 25 छात्रों का नेत्र परीक्षण किया गया। यह जांच नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी द्वारा की गई। 25 बच्चों की जांच के दौरान 7 छात्रों में दृष्टि दोष पाया गया, जिसके बाद उनके चश्मे के नंबर निकाले गए। इन बच्चों के लिए लाइन लिस्टिंग की गई है, और जल्द ही उन्हें शासन की ओर से निशुल्क चश्मा प्रदान किया

जाएगा। इस नेत्र परीक्षण शिविर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रतनपुर चौकी के प्राचार्य मनोज कुमार, स्वाति सक्सेना और वीरपाल मौजूद थे। बताया गया कि सीएचसी नारायणगंज ने अन्य सभी स्कूलों से भी अपील की है कि वे अपने ऐसे छात्रों को जिन्हें दृष्टि दोष की समस्या है, जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर आएं। ऐसा करने से समय पर उनके चश्मे का नंबर निकालकर उन्हें निशुल्क चश्मा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी, जिससे बच्चों की पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में आने वाली परेशानियों को दूर किया जा सकेगा। यह पहल बच्चों की आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और उनकी शिक्षा में सुधार लाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

## बाईक हुई अनियंत्रित, दो युवक हुए घायल

नारायणगंज के ग्राम चटरा से परतला के बीच हुआ हादसा

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** नारायणगंज के ग्राम चटरा से ग्राम परतला की तरफ जा रहे बाईक सवार दो युवक हादसे का शिकार हो गए। हादसे में एक युवक के पैर में गंभीर चोट आई। जिसे स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस को सूचना दी और नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उपचार के लिए भेजा गया। बताया गया कि ग्राम चटरा निवासी संतोष झारिया पिता पंचम 20 वर्ष अपने साथी के साथ ग्राम परतला की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान इनकी बाईक गड्ढे के कारण अनियंत्रित हो गई और बाईक सवार दोनों युवक नीचे गिर गए। हादसे में बाईक सवार संतोष को पैर में गंभीर चोट आई है, जिसमें उसके पैर फेक्चर हो गया। स्थानीय लोगों ने दोनों युवकों को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद मंडला जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया। जहां घायल युवक संतोष का उपचार किया जा रहा है।

## माउंट फोर्ट विद्यालय में स्वास्थ्य और सफाई पर सेमिनार आयोजित

डॉ. नरेश वरकड़े ने छात्रों को दी स्वच्छता की जानकारी

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** माउंट फोर्ट विद्यालय मंडला में कक्षा पांचवीं के विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य और सफाई विषय पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कटरा हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. नरेश वरकड़े रहे। सेमिनार की शुरुआत में संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन ने अतिथि का स्वागत सैंपलिंग भेंट कर किया। डॉ. वरकड़े ने बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता, भोजन व

पर्यावरण से जुड़ी सफाई की जानकारी देते हुए बताया कि कैसे सफाई का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से होता है। उन्होंने सही तरीके से हाथ धोने की प्रक्रिया भी बच्चों को विस्तार से समझाई। कार्यक्रम के अंत में ब्रदर बिनु चेरियन ने डॉ. नरेश वरकड़े को शाल व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय की कॉर्डिनेटर अंकिता कुशवाहा भी उपस्थित थीं।

## सिविल सर्जन सहित 8 अधिकारी, कर्मचारियों ने किया स्वेच्छिक रक्तदान

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे ने स्वप्रेरणा से रक्तदान करते हुए जिला चिकित्सालय मंडला में पदस्थ सभी चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारियों से रक्तदान करने की अपील की। सिविल सर्जन की अपील पर जिला चिकित्सालय में पदस्थ 8 कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में सिविल सर्जन डॉ. विजय सिह धुर्वे के साथ डीईआईसी मैनेजर अर्जुन सिंह, लैब तकनीशियन इंद्र कुमार झरिया, सुनील पटेल, डाटा एंट्री ऑपरेटर दीपक तिवारी, प्रवीण ज्योतिषि सहित स्टॉफद्वारा रक्तदान किया गया। सिविल सर्जन ने बताया कि रक्त का कोई विकल्प नहीं होता, केवल रक्तदान के माध्यम से ही दूसरों के जीवन को बचाया जा सकता है। आमजन अनेक भ्रांतियों के कारण रक्तदान से परहेज करते हैं, जबकि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है और इससे कोई कमजोरी नहीं आती तथा हृदयघात जैसी बीमारियों का रिस्क भी कम होता है। इस संदेश को लेकर आज चिकित्सालय के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वप्रेरणा से रक्तदान किया गया तथा सभी से आग्रह किया कि स्वेच्छा से रक्तदान करके लोगों को जीवनदान देने में हमारी मदद करें।

## छात्राओं ने कलेक्टर की कलाई में बांधी राखी, परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने का लिया वादा

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** कलेक्टर सोमेश मिश्रा गुरूवार को उत्कृष्ट विद्यालय पहुँचे। यहाँ उन्होंने उपस्थित छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर विद्यालय की नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा की छात्राओं और एनसीसी कैडेट ने कलेक्टर की कलाई पर राखी बांधी। कलेक्टर ने उपस्थित छात्राओं से हुई चर्चा में कहा कि रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति की बहुत पुरानी परंपरा है। इस तरह के आयोजन हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की

प्रेरणा देते हैं। उन्होंने सभी को रक्षाबंधन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपनी लगन और मेहनत के साथ पढ़ाई करें। परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त कर माता-पिता, गुरूजनों, जिले तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। आप लोग ही समाज का भविष्य हैं। आगे आप लोग ही विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में होंगे। जिला प्रशासन सदैव आपके साथ है। पढ़ाई में आपको सहयोग की आवश्यकता होगी तो हर संभव मदद आपको मिलेगी। राखी के त्यौहार पर जिला प्रशासन भी आपसे यह वादा चाहता है कि आप परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े, सहायक संचालक आदिवासी विकास रंजीत गुप्ता, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य कल्पना नामदेव, एपीसी मुकेश पाण्डे सहित विद्यालय की छात्राएं मौजूद रहीं।

## विशेषज्ञ ने सिखाया पानी में 10 प्रकार के तत्वों की जांच

घुघरी जनपद में जल गुणवत्ता परीक्षण कार्यशाला, सरपंचों को मिला प्रशिक्षण, सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने पर जोर

**घुघरी 07 अगस्त नभाप्र.** घुघरी जनपद सभागार में जल गुणवत्ता परीक्षण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड मंडला द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य ब्लॉक की 47 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों को पेयजल की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण देना था। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी भावना भ्रात्रवंशी ने की और इसमें विभाग के विशेषज्ञ मौजूद रहे। कार्यशाला में उमा गणेश लोधी ने फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से पानी में मौजूद 10 प्रकार के तत्वों की जांच करने का तरीका सिखाया।

इन तत्वों में फ्लोराइड, पीएच, आयरन, नाइट्रेट, अमोनिया, क्लोराइड, टर्बिडिटी, अल्कालिनिटी, हार्डनेस और क्लोरीन शामिल हैं। प्रशिक्षण इसलिए महत्वपूर्ण है जिससे ग्रामीण स्तर पर ही पानी की गुणवत्ता की जांच की जा सके और ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान विभाग ने ग्राम पंचायतों को पेयजल स्रोतों की जांच के लिए फील्ड टेस्ट किट, जीवाणु परीक्षण के लिए एच 2 एस वॉयल्स और पानी के उपचार के लिए जर्मेक्स भी वितरित किए। जिससे गांव में पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और जल जनित बीमारियों को रोकने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहायक यंत्री अभय कुमार जोशी, विकास खंड समन्वयक नीलम पटेल, हैंड पंप टेक्नीशियन अनिल उईके, परमानंद मर्सकोले, चंद्रभान मार्को सहित सभी सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक उपस्थित रहे। यह कदम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

## आज नर्मदा जल और 151 बेलपत्रों से होगी कैलाश वासी महादेव की पूजा

**मंडला 07 अगस्त नभाप्र.** श्रावण मास के अवसर पर मंडला के माहिष्मती घाट में आज 8 अगस्त को एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान कैलाशवासी महादेव के शिवलिंग का नर्मदा जल से अभिषेक किया जाएगा। यह शिवलिंग पूर्व में नीलू महाराज द्वारा लाया गया था और हर साल श्रावण मास में इसका अभिषेक किया जाता है। आयोजनकर्ताओं ने बताया कि आज शुक्रवार सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सहस्त्रधारा महाभिषेक और 12 पत्ती वाली 151 बेलपत्रों से महादेव का अर्चन किया जाएगा। इस रुद्राभिषेक और शिवार्चन में सभी श्रद्धालुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। इस धार्मिक आयोजन में पूरा वातावरण ओम नमः शिवाय के जयकारों से गूंज उठेगा।

## पीएम श्री माध्यमिक शाला उदयपुर में छात्राओं को मिलीं साईकिलें

**उदयपुर 07 अगस्त नभाप्र.** उदयपुर की पीएम श्री माध्यमिक शाला में शासन की ओर से स्कूली छात्राओं के लिए साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शुरुआत में 13 बालिकाओं को साइकिलें बांटी गईं, जिसे पाकर सभी छात्राओं के चेहरे खिल उठे।

जब छात्राओं से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वे रोज़ 5 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करके स्कूल आती-जाती थीं। इस वजह से उन्हें थकान हो जाती थी, पढ़ाई का भी नुकसान होता था और कभी-कभी आने में देरी भी हो जाती थी। अब साइकिल मिलने से उन्हें स्कूल आने-जाने में काफी सुविधा होगी।

इस कार्यक्रम में उदयपुर के सरपंच ने सभी छात्राओं को तिलक लगाकर साइकिलें दीं। इस अवसर पर मुख्य रूप से बलदेव सिंह परते, रोहित कुशराम, प्रधानाचार्य आरती सिंह, सुबोध पटेल, रश्मि उपाध्याय, संजय नेताम, सुप्रिया खरे, कविता साहू, प्रतिमा पांडे, अंजलि बरमैया, ममता विश्वकर्मा, सुनीता मालवीय, उर्मिला सिंह, निशा बरमैया, आयुसी पटेल, श्वेता दिवाकर, प्रियंका बसल, रिया राजपूत, सोनम और गांव के सभी गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

**कार्यक्रम** गोंडवाना राज्य संकल्प यात्रा पहुंची चुटका

## चुटका प्रभावितों ने मनाया हिरोशिमा दिवस, परमाणु परियोजना का किया विरोध

**नारायणगंज 07 अगस्त नभाप्र.** चुटका परमाणु परियोजना से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों में हिरोशिमा दिवस मनाया गया। यह दिवस द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 6 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा शहर पर हुए परमाणु हमले की बरसी के रूप में मनाया जाता है। ग्रामीणों ने इस मौके पर परमाणु परियोजना के संभावित खतरों को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं और परियोजना का पुरजोर विरोध किया।

चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुड़ापे ने कहा कि परमाणु विकिरण के खतरे जगजाहिर हैं। ऐसे में आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में इस तरह की परियोजना स्थापित करना न्यायसंगत नहीं है। समिति की सदस्य मीरा बाई मरावी ने भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 10 परमाणु रिएक्टरों का जिक्र करते हुए कहा कि इनमें से दो रिएक्टर

चुटका के लिए भी हैं, जो उनके और उनके क्षेत्र के लिए मौत का अनुबंध हैं।

विगत दिवस राज राजेश्वरी मंडला से शुरू हुई गोंडवाना राज्य संकल्प यात्रा भी चुटका पहुंची, जहां ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्रामीणों ने यात्रा में शामिल लोगों को बताया कि चुटका परमाणु परियोजना 2009 से प्रस्तावित है और ग्राम सभा लगातार इसका विरोध कर रही है। विरोध के कारण दो बार पर्यावरणीय जन सुनवाई को भी स्थगित करना पड़ा था।

ग्रामीणों ने बताया कि भूमि अधिग्रहण को लेकर उनकी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए जबलपुर कमिश्नर ने भू-अर्जन का अवार्ड पारित कर दिया और बिना सहमति के जमीन का मुआवजा उनके खातों में डाल दिया गया। इसे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन बताया गया। संकल्प यात्रा का नेतृत्व कर रहे संतोष परस्ते, मंडला जिला गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा के अध्यक्ष ने चुटका संघर्ष का पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने कहा कि बांध, राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर प्रोजेक्ट और चुटका जैसी विकास परियोजनाओं के नाम पर आदिवासियों को उनकी पैतृक जमीन से बेदखल किया जा रहा है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रवक्ता राधेश्याम कोकड़िया ने वनाधिकार कानून के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह कानून आदिवासियों को उनकी जमीन से जोड़ता है। गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के प्रदेश महासचिव सेम परते ने कहा कि पेसा कानून और नियमों की अनदेखी करते हुए उनकी पारंपरिक व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। इस संकल्प यात्रा में चुटका गांव के सोना बाई, सरिता बाई, हीरा बती बाई, कमल सिंह बड़कड़े, तेजी लाल कोकड़िया, गेहबर सिंह, संतराम, धरम सिंह समेत कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

## परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता संबंधित संषोधित षर्त मनमानी नहीं

**जबलपुर।** भारतीय मानक ब्यूरो के द्वारा प्रयोगषाला मान्यता योजना के तहत एशिया प्रशांत प्रयोगशाला मान्यता निगम तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मान्यता निगम का सदस्य होने की संषोधित षर्त को मनमाना करार देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने अपने आदेष में कहा है कि भारतीय प्रयोगशालाओं के मानक को बढ़ाने के उद्देश्य से योजना तैयार की गई है। युगलपीठ ने उक्त आदेष के साथ याचिका को खारिज कर दिया।

वीनस परीक्षण एवं अनुसंधान प्रयोगशाला बीना, जिला सागर के मालिक प्रेम प्रकाश की तरफ से दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि भारतीय मानक ब्यूरो ने प्रयोगशाला पुनर्गठन योजना तैयार की है। जिसमें यह शर्त शामिल है कि प्रयोगशाला को परीक्षण के संबंधित क्षेत्र जैसे यांत्रिक, विद्युत, रासायनिक या सूक्ष्मजैविक में आईएस,आईएसओ,आईईसी से मान्यता प्राप्त होनी चाहिए। प्रयोगशाला को मान्यता प्रदान करने वाली संस्था एशिया प्रशांत प्रयोगशाला प्रत्यायन निगम या अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला प्रत्यायन निगम की पूर्ण सदस्य होना चाहिए।

याचिका में कहा गया था कि भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम 1986 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के तहत ऐसे निकाय से मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कोई प्रावधान नहीं है। बीआईएस एक राष्ट्रीय मानक निकाय है और प्रयोगशाला मान्यता के उद्देश्य से योजनाएं तैयार करने के लिए अधिकृत है। एपीएलएसी और आईएलएसी का देश में कोई कार्यालय नहीं है। इसके अलावा आईएस,आईएसओ,आईईसी की मान्यता प्रदान करने के लिए अत्यधिक शुल्क लिया जा रहा है। ऐसी शर्त लगाकर उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है।

याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से बताया गया कि बीआईएस अधिनियम के तहत भारतीय मानक ब्यूरो की स्थापना की गई है। बीआईएस ने प्रयोगशालाओं के उच्च मानकों को बनाए रखने के उद्देश्य से उक्त शर्त शामिल की गई है। याचिकाकर्ता को एपीएलएसी या आईएलएसी की सदस्यता प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल उस संस्थान से मान्यता प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक है, जो एपीएलएसी या आईएलएसी का सदस्य है।

युगलपीठ ने अपने आदेष मे कहा है कि योजना को भारतीय प्रयोगशालाओं के मानक को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार करते हुए उक्त षर्त को षामिल किया गया है। युगलपीठ ने उक्त आदेष के साथ याचिका को खारिज कर दिया।

### पेंशन की देरी से भुगतान, अब ब्याॅज सहित करो भुगतान

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट ने एक रिटायर्ड कर्मचारी को पेंशन के लिये भटकाने व सख्ती के बाद देरी से भुगतान किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ ने बैंक के कृत्य पर नाराजगी जताते हुए कहा कि देरी के लिए बैंक ने कोई वाजिब कारण नहीं बताया। एकलपीठ ने एसबीआई को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता को एक सितंबर 2019 से जुलाई 2025 तक की पेंशन पर 6 फीसदी ब्याज प्रदान करें। इसके लिए तीन माह की मोहलत दी गई। जबलपुर निवासी अशोक सिंघाई जल संसाधन विभाग राजगढ़ से 31 दिसंबर 2017 को सेवानिवृत हुए थे। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रवेश जैन व दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि जिला पेंशन ऑफिसर ने पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) 18 मई 2018 को जारी किया था।